D1 H/9

सिन्धु सभ्यता के महत्वपूर्ण स्थल

Date / Page: सिन्धु

सिन्धु →

कोटदीजी →

कोटदीजी सिंध प्रांत के खैरपुर नगर से 24 कि०मी० दक्षिण और मोहेंजोदड़ो से 40.24 कि०मी० पूर्व में है। पाकिस्तान पुरातत्व विभाग के निदेशक फजल अहमद खाँ ने 1955 और 1957 में उस स्थल पर अपेक्षाकृत छोटे पैमाने पर उत्खनन कराया। उत्खनन से हड़प्पा सभ्यता के नीचे एक और सभ्यता के अवशेष मिले जिसे कोटदीजी संस्कृति नाम दिया गया। यहाँ पर प्राप्त कुल सोलह परतों में से नीचे की बारह परतें कोटदीजी संस्कृति की है। उसके ऊपर एक परत परिवर्तन काल की द्योतक है और सबसे ऊपर की तीन परतें सिंधु सभ्यता के उपकरणों से युक्त है। कोटदीजी संस्कृति के भाण्ड हड़प्पा में रक्षा-दुर्ग के निर्माण से पहले वाले चरण में प्राप्त भाण्डों से मिलते जुलते है। इस संस्कृति में सिन्धु सभ्यता की तरह चर्ट के फलक और पक्की मिट्टी के पिंड मिले है, किन्तु इस काल में ताम्र और कांस्य का प्रयोग अल्प मात्रा में हुआ है। उपलब्ध पुरातात्विक साक्ष्यों से ऐसा लगता है कि कोटदीजी की प्राक् सिन्धु बस्ती अग्नि कांड से नष्ट हुई और फिर सिन्धु सभ्यता के लोग इस स्थल पर आकर बसे। नवागंतुको ने भवनों की नींव पत्थर की बनाई, और दीवारें कच्ची ईटो की। सिन्धु सभ्यता कालीन नगर-निर्माण सुनियोजित था।

Next → मोहेंजोदड़ो